तुम्हारी बंसी बजी जो कान्हा

तुम्हारी बंसी, बजी जो कान्हा, हमें तुम्हारे, समीप लाई ॥
*नहीं है वश में, ये मन हमारा ॥, ना जाने कैसी, लग्न लगाई,,,

तुम्हीं को हमने, है अपना माना*, जो चाहे समझे, हमें जमाना ॥
ना और भाए, सिवा तुम्हारे ॥, नीरस लगे है, ये दुनिया सारी,,,
तुम्हारी बंसी, बजी जो कान्हा, हमें तुम्हारे,,,,,,,,,,,,,,,,,,

झूठा है बंधन, जगत का मोहन*, तुम्हीं से सच्चा, नाता हमारा ॥
शरण ते ले लो, चरण ये दे दो ॥, इनके लिए हम, सब छोड़ आई,,,
तुम्हारी बंसी, बजी जो कान्हा, हमें तुम्हारे,,,,,,,,,,,,,,,,,,

तुम्ही हो माता, पिता तुम्ही हो*, तुम्ही हो बंधु, सखा तुम्ही हो ॥
तुम्ही हो जीवन, प्राण हमारे ॥, तुम्हीं से चलती, सांसे हमारी,,,
तुम्हारी बंसी, बजी जो कान्हा, हमें तुम्हारे,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28136/title/tumhari-bansi-baji-jo-kanha

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |